www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

सोमवार
17 नवंबर 2025, नई दिल्ली*गाजियाबाद

वर्ष 90, अंक 273, 14 पेज+4 पेज लाइव, मूल्य ₹ 4.00, एचटी एज के साथ ₹ 5.00 एवं हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ ₹ 9.50 • पांच प्रदेश • 23 संस्करण

एलन मस्क ने कहा, मैं एलियन हूं और मेरे पास इसका सबूत भी है
P-14

यमुना सिटी में सात सेक्टरों के किनारे रिवर फ्रंट बनाने की तैयारी

अच्छी खबर

■ आशीष धामा

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी में सात सेक्टरों के पास सुरक्षित दूरी पर कई किलोमीटर लंबा यमुना रिवर फ्रंट बनेगा। शहर को सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए इसे विशेष परियोजना की श्रेणी में रखा गया है, जिसे विकसित करने की तैयारी तेज हो गई है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र यमुना नदी के आसपास बसाया जा रहा है। यमुना सिटी के सेक्टर-26बी, 27, 26, 25, 24, 24ए, 23डी व अन्य नदी के किनारे पर ही विकसित हो रहे हैं। ऐसे में इन सेक्टरों के आसपास रिवर फ्रंट बनाने की योजना है। रिवर फ्रंट के तहत नदी व सेक्टरों के बीच एक लंबा चौड़ा रास्ता तैयार होगा। जहां पर घास के टीले, शेड, फूलों की क्यारियां, रंग बिरंगी रोशनी से सराबोर फव्वारे, जोगिंग व साइकिल ट्रैक, आकर्षक लैंडस्केपिंग, खानपान संबंधी क्योस्क, नदी देखने और बैठने के व्यू प्वाइंट बनेंगे।

यह सुविधाएं नदी तट से सुरक्षा के साथ ही जल गुणवत्ता में सुधार भी करेंगे। यहां एक तटबंध बनाया जाएगा, जो मानसून में बाढ़ से क्षेत्र की रक्षा करेगा। क्षेत्र की उन्नत जल निकासी प्रणाली व रियल टाइम मॉनिटरिंग बाढ़ से सुरक्षा करेगी।

15 प्रतिशत हरित क्षेत्र निर्धारित किया गया है फेज वन में

"नोएडा एयरपोर्ट और अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी को देखते हुए फेज-1 में 15 प्रतिशत हरित क्षेत्र निर्धारित किया गया है। शहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए यह पहल होगी, जिससे यहां आने वाले लोग अलग अनुभव कर सकेंगे।

-शैलेंद्र भाटिया, ओएसडी यीडा

• एआई तस्वीर

तालाबों-नहरों के आसपास 30 मीटर में ग्रीन बेल्ट होगी

फेज-1 में कुल 10 प्रमुख झीले, नहर व 135 तालाब हैं। ये तालाब और नहर भूजल पुनर्भरण में सहायता करती हैं। इनमें 38 तालाबों के जीर्णोद्धार का काम चल रहा है। कुंड नाला फेज-1 से गुजरता हुआ यमुना नदी से जुड़ता है। अपर गंगा नहर भी क्षेत्र में बड़े सिंचाई नेटवर्क का हिस्सा है। मास्टर प्लान के अनुसार तालाबों-नहरों को हरित संरक्षण क्षेत्र माना गया और इसके आसपास खुले हरित क्षेत्र विकसित किए जाएंगे।

पर्यटकों को बोटिंग की सुविधा मिलेगी

नए आगरा शहर में भी 823.7 हेक्टेयर में ग्रीन रिवर बफर जोन बनेगा। यहां पर रंग बिरंगे फूलों की प्रजातियां के साथ ही दुर्लभ पेड़-पौधे और वाटर बॉडी को विकसित किया जाएगा। पर्यटकों के लिए बोटिंग, वॉकवे, फूड स्टॉल रहेंगे। यहां पर वेलनैस टूरिज्म एक्टिविटी होगी। यह एक ऐसी यात्रा होगी, जिसमें योग, आयुर्वेदिक मसाज से लोग अपने शरीर को मन को स्वस्थ बना सकेंगे।